RNI. No. UPHIN/2010/36806

साप्ताहिक केशरी दर्पण

w w w.kesharidarpan.com

शख्सियत/प्रमुखता

www.kesharidarpan.com

सम्पादक: सुभाष चन्द

मो. 9837749557

सच्चाई सामने होगी

वर्ष:16, अंक: 40 E-mail: subhashchand4@gmail.com बागपत, सोमवार, 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 (पृष्ठ:4) मूल्य 3 रुपया.

ऑपरेशन सिंदूर के सटीक, नपे-तुले हमलों ने साबित किया कोई भी लक्ष्य वायुसेना की पहुंच से बाहर नहीं

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किए गए सटीक और नपे-तुले हमलों ने यह साबित कर दिया है कि अब कोई भी लक्ष्य वायुसेना की पहुंच से बाहर नहीं है।

उन्होंने इस आतंकवाद-रोधी कार्रवाई को वायुसेना की क्षमता-केंद्रित रणनीति की बड़ी सफलता बताया। पश्चिमी सीमा पर संचालित यह सैन्य अभियान लगभग 1200 किलोमीटर की चौड़ाई और 200 किलोमीटर की गहराई तक फैला हुआ था, भारतीय जांबाजों ने दुश्मन के ठिकानों पर बेहद सटीक और मारक प्रहार किए।

इस ऑपरेशन ने देश के प्राथमिक जवाबी रक्षक और एक मजबूत रणनीतिक निवारक के रूप में वायु शक्ति की निर्णायक भूमिका को एक बार फिर से पूरी दुनिया के सामने साबित कर दिया है। चार दिनों तक चले इस अभियान की अगुवाई करने वाले एयर चीफ मार्शल ने आगाह किया कि इस सफलता के बाद सेना को लापरवाह नहीं होना चाहिए, बल्कि अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करना होगा।

इस ऑपरेशन से सबसे बड़ा सबक यह मिला कि हमें हमेशा कई विकल्प खुले रखने चाहिए और दुश्मन के दांव-पेंच बदलते ही तेजी से रणनीति में बदलाव करने में सक्षम होना चाहिए। एक क्षमता-केंद्रित सेना ही ऐसा कर सकती है, क्योंकि वह किसी एक हथियार पर निर्भर न रहकर कई विकल्पों का उपयोग कर सकती है। इसी लचीलेपन की बदौलत वायुसेना तनाव को अपने नियंत्रण में रखते हुए कार्रवाई करने में सफल रही।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, जिसके तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले इलाकों में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए गए।

यह 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद सीमा पार भारत की सबसे साहसिक सैन्य कार्रवाई थी। भारत ने 9 प्रमुख आतंकी अड्डों को निशाना बनाया। पाकिस्तान द्वारा आतंकी संगठनों को पनाह देने पर वायुसेना ने उसके सैन्य ठिकानों पर प्रहार किया।

मोदी जी के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पटना के सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्गीय पिता के लिए ऐसी अमर्यादित टिप्पणी कर डाली, जो राजनीतिक रिश्तों में और कड़वाहट घोलने वाले हो सकते हैं।

मुख्य विपक्षी दल के वरिष्ठ नेता द्वारा की गई इस टिप्पणी पर बिफरी भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने इसे सारी मर्यादाएं तार-तार करने वाला बताया तो भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन इसे कांग्रेस का वैचारिक दिवालियापन करार दिया है। पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कड़ी निंदा करते हुए इस मुद्दे पर कांग्रेस को आईना दिखाने का प्रयास किया है।

दरअसल, पटना में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष खरगे सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगा रहे थे। तभी उन्होंने कथित वोट चोरी के दोषियों को जेल भेजे जाने की हुंकार भरते हुए आपा खो दिया और प्रधानमंत्री मोदी के पिता के बारे में भी अशोभनीय टिप्पणी कर डाली। इसके बाद तुरंत राजनीतिक पारा चढ़ गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पटना में मोदी जी के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी जी या उनके परिवार को अपशब्द कहे हों।

वायुसेना फाइटर एसेट को भौगोलिक आधार पर बांटने के पक्ष में नहीं

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने महत्वाकांक्षी %थियेटर कमान% योजना पर अपना स्पष्ट रुख रखते हुए कहा है कि वायुसेना फाइटर एसेट को भौगोलिक आधार पर स्थायी रूप से बांटने के पक्ष में नहीं है। भारत की सुरक्षा जरूरतें विशिष्ट हैं, इसलिए विदेशी माडलों की नकल करने के बजाय देश की वास्तविक रणनीतिक और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल एक अलग सुव्यवस्थित ढांचा तैयार किया जाना चाहिए।

वायुसेना प्रमुख ने एक विशेष साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि थियेटर कमान की इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीयकृत नियंत्रण और विकेंद्रीकृत क्रियान्वयन का सिद्धांत अपनाया जाना चाहिए। हाल के वैश्विक संघर्षों का हवाला देते हुए कहा कि वायु शक्ति किसी भी सैन्य परिणाम को निर्णायक रूप से तय कर सकती है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि भविष्य के युद्धक्षेत्र को अत्यधिक निश्चितता के साथ आंकने की भूल से बचना चाहिए और इस बड़े बदलाव को क्रमिक चरणों में लागू किया जाना चाहिए ताकि देश की अभियानगत तैयारी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

गौरतलब है कि भारत में 2019 में आजादी के बाद के सबसे बड़े सैन्य सुधार के रूप में थियेटर कमान योजना की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य सेना, नौसेना और वायुसेना की क्षमताओं को एकीकृत करना है।

चीन के लिए उत्तरी, पाकिस्तान के लिए पश्चिमी और समुद्री मोर्चे के लिए मैरीटाइम थियेटर कमान बनाने का प्रस्ताव है। हालांकि, तीनों सेनाओं के बीच अलग-अलग दृष्टिकोण के कारण इसकी प्रगति धीमी रही है। वायुसेना ने फाइटर स्क्वाड्रन के संभावित विभाजन को लेकर अपनी चिंताएं जताई हैं।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बने

भारत के किसी भी जनपद, तहसील या थाना क्षेत्र में केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बनने के लिए संपर्क करें। आप केशरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट से भी के माध्यम से भी पत्रकार बन सकते हैं। समाचार पत्र की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करें लॉगिन करें आप स्वयं केसरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट पर समाचार फोटो आदि भी अपलोड कर सकते हैं। सोनीपत जनपद में श्रीमती अंजू देवी पत्नि श्री कृष्ण पाल, सोनीपत मो. 9416957607

निवेदक-सुभाष चंद, संपादक, केशरी दर्पण (हिंदी साप्ताहिक) 9837749557

w w w.kesharidarpan.com

1 नवंबर को रामलीला मैदान महारैली प्रचार के लिए सहयोगियों का धन्यवाद

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। राहुल गांधी ने रविवार को भाजपा पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडी गठबंधन की महारैली का प्रचार करने के लिए सत्तारूढ़ दल और उसके सहयोगियों का धन्यवाद किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों से कथित वोट चोरी के खिलाफ होने वाले इस विरोध प्रदर्शन और वोट बचाओ, देश बचाओ मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों से नाम हटाए गए हैं, नियमों और कानूनों का खुलेआम उल्लंघन हुआ है। देश में वोटों की चोरी की जा रही है, इसे किसी भी कीमत पर चुपचाप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लिखा कि सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलाई गईं, लेकिन अब देश जवाब देगा। उन्होंने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों से लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि वोट आपका है और यह लड़ाई भी आपकी ही है।

इससे एक दिन पहले भाजपा ने 1 नवंबर को होने वाली इस रैली की तारीख बदलने की मांग की थी। भाजपा का कहना है कि 1 नवंबर की तारीख 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी से मेल खाती है, इस दिन रैली करने से सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी।

भाजपा प्रवक्ता रवि शंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर सिख समुदाय और व्यापारियों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि वे भाजपा और उसके सहयोगियों के आभारी हैं, जो इस कार्यक्रम का इतने उत्साह से प्रचार कर रहे हैं।

खरगे के बयान के बाद बीजेपी ने कड़ा विरोध जताया

बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर आयोजित एक समारोह के दौरान यह घटना हुई।

सपना कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। पटना में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई एक तीखी टिप्पणी को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। खरगे के इस बयान के बाद बीजेपी ने कड़ा विरोध जताया और आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने न केवल प्रधानमंत्री और उनके दिवंगत पिता का अपमान किया है, बल्कि पूरे देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर आयोजित एक समारोह के दौरान यह घटना हुई। खरगे मंच से भाषण दे रहे थे और चुनावी धांधली के आरोपों का जिक्र करते हुए कह रहे थे कि मोदी जेल जाएंगे। इसी दौरान भीड़ में से एक व्यक्ति ने कुछ कहा, जिससे हॉल में %मोदी नहीं जाएगा% की आवाज सुनाई दी। इस पर नाराज होकर खरगे ने मंच से पलटवार करते हुए कहा कि मोदी का बाप भी जाएगा। उन्होंने इस वाक्य को तीन बार दोहराया। इस टिप्पणी के बाद मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया, उसके साथ मारपीट की और उसे कार्यक्रम स्थल से बाहर निकाल दिया।

संतोष ने दावा किया कि उनकी बात को आधा-अधूरा सुनकर गलत समझ लिया गया। उन्होंने कहा कि वे वास्तव में खुद मोदी को सत्ता से बाहर देखना चाहते हैं। संतोष कुमार ने स्पष्ट करते हुए कहा कि मैं कह रहा था कि जब तक कोई विद्रोह नहीं होगा, तब तक मोदी नहीं जाएगा। लेकिन लोगों ने केवल आधा वाक्य सुना और गलतफहमी पैदा हो गई। हॉल से बाहर निकाले जाने के बाद संतोष कुमार ने खुद को हुड़दंगी या विरोधी मानने से इनकार किया और पूरे मामले में एक नया मोड़ सामने आया।

उन्होंने बताया कि खरगे जब भाषण दे रहे थे, तभी यह आधी आवाज गूंज गई और इसी वजह से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर दिया। खरगे के इस बयान का वीडियो सामने आते ही बीजेपी नेताओं ने तीखा रुख अख्तियार कर लिया और देशभर में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि खरगे ने राजनीतिक शिष्टाचार और मर्यादा की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं।

यह पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस ने मोदी या उनके परिवार के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया हो, इससे पहले भी उनकी पूज्य माताजी का अपमान किया गया, उन्हें मौत का सौदागर कहा गया और उनके गरीब पृष्ठभूमि से आने का मजाक उड़ाया गया। वहीं बीजेपी प्रवक्ता तुहिन ए. सिन्हा ने भी इस बयान को अशोभनीय और अभद्र करार दिया, जबकि कांग्रेस की ओर से इसे आम बोलचाल का मुहावरा बताया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारी कर्मचारी को नौकरी से निकालना मौत की सजा के समान ?

तरुण/एजेंसी, नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील टिप्पणी में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक सरकारी कर्मचारी के लिए नौकरी से बर्खास्त किया जाना मौत की सजा देने से कम नहीं है। कोर्ट ने तमिलनाडु की पेरियार यूनिवर्सिटी के बर्खास्त डिप्टी रजिस्ट्रार आर. सरवनन को फिर से बहाल करने का निर्देश दिया, जिन्हें कथित तौर पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 16 अक्टूबर के अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह की कठोर सजा का असर सिर्फ कर्मचारी पर नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार पर पड़ता है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को खारिज करते हुए एकल पीठ के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूनिवर्सिटी द्वारा गठित एक सदस्यीय आयोग की जांच रिपोर्ट बिना किसी ठोस सबूत के तैयार की गई थी। केवल सुनी-सुनाई बातों के आधार पर किसी को दोषी ठहरा देना न्याय का गला घोंटने जैसा है। खंडपीठ ने बिना किसी ठोस और न्यायसंगत कारण के एकल पीठ के फैसले में हस्तक्षेप किया था, जो गलत था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बर्खास्तगी की सजा मिलने पर सरकारी कर्मचारी को सेवा से जुड़े सभी लाभ गंवाने पड़ते हैं, जिससे वह पूरी तरह कंगाल हो जाता है। अगर नतीजे इतने गंभीर हैं, तो रिट कोर्ट को सिर्फ मूकदर्शक बनकर नहीं रहना चाहिए। उचित मामलों में, रिट कोर्ट को खुद लगाई गई पाबंदियों से बाहर निकलना चाहिए और सजा के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी के इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि एकल पीठ को इस मामले की सुनवाई करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि आरोपित के पास तमिलनाडु सेवा नियमों के तहत वैकल्पिक कानूनी उपाय मौजूद था। सेवा नियमों के तहत वैकल्पिक उपाय उपलब्ध होने का यह मतलब नहीं है कि रिट कोर्ट मूकदर्शक बनकर बैठ जाए। यदि किसी कर्मचारी पर अन्याय हुआ है और बिना किसी कानूनी रूप से स्वीकार्य साक्ष्य के उसे नौकरी से निकाला गया है, तो हाईकोर्ट न्याय और निष्पक्षता के हित में संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि यूनिवर्सिटी ने बिना कोई कारण बताए और अटकलों पर आधारित रिपोर्ट को स्वीकार करके प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन किया है।

मुख्यमंत्री योगी वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को बिठूर पहुंचेंगे

प्रमोद कश्यप/एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को बिठूर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री यहां वाल्मीकि आश्रम में रामायण पाठ व पूजा में शामिल होंगे और महर्षि वाल्मीकि को अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे। मान्यता है कि इसी आश्रम में महाकाव्य रामायण की रचना हुई और माता सीता को आश्रय मिला था।

यहीं भगवान श्रीराम के पुत्रों लव-कुश का जन्म हुआ। मुख्यमंत्री इस अवसर पर बिल्हौर व बिठूर विधानसभा क्षेत्रवासियों को 411 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात भी देंगे। वह विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी करेंगे।

योगी सरकार महाकाव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की विरासत को संरक्षित करने और त्रेता युगीन परंपरा को विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़, आधुनिक व भरोसेमंद बनाने के लिए प्रयास

प्रमोद कश्यप/एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, आधुनिक और भरोसेमंद बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बिजनेस प्लान वर्ष 2026 व 27 के अंतर्गत प्रदेश के जनपदों में बिजली उपकेंद्रों के सुदृढ़ीकरण, केबल बिछाने और विद्युत बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने का कार्य प्रगति पर है। इनका उद्देश्य बिजली वितरण प्रणाली की क्षमता बढ़ाने के साथ उपभोक्ताओं को सुरक्षित, सुचारु व निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना है।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड की टीमें प्रदेशभर में रात्रिकालीन मेंटेनेंस कार्यों को अंजाम दे रही हैं। बिजली लाइनों, उपकरणों और वितरण नेटवर्क के नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाए रखा जा सके। रात के समय किए जा रहे अनुरक्षण कार्यों के माध्यम से विद्युत ढांचे को मजबूत करने और आपूर्ति व्यवस्था की विश्वसनीयता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

पूर्वांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल और केस्को के विभिन्न जनपदों में विभागीय टीमें सक्रिय हैं। बिजली लाइनों और उपकरणों की जांच, मरम्मत तथा अन्य आवश्यक अनुरक्षण कार्यों के जरिए वितरण तंत्र को दुरुस्त किया जा रहा है। जोर इस बात पर है कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के साथ विद्युत व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जाए।

बिजली अधिकारियों की ओर से उपकेंद्रों का निरीक्षण भी किया जा रहा है। इस दौरान बिजली आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। अधिकारियों को विद्युत उपकरणों के रखरखाव और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत भी विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। योजना के माध्यम से बिजली वितरण से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

बिजली विभाग की टीमें फोन के माध्यम से उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल जमा करने की अपील भी कर रही हैं। विभाग के अनुसार, नियमित बिल भुगतान से बिजली व्यवस्था के संचालन और रखरखाव में सहयोग मिलता है।

कोशिश करो तैयार रहो सेवा करो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन

पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध

प्रधान कार्यालयः निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101

Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 09837749557- 7906984078



संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें। स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।

(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

सेना में तैनात पति समेत छह लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया

नितिन कुमार सिंह, बागपत/बड़ौत। महिला की अदालत में तारीख से चार दिन पहले हत्या कर दी गई। गुरुवार रात हुई घटना के बाद शनिवार सुबह गांव वाजिदपुर में गन्ने के खेत से महिला का शव बरामद हुआ। मृतका के गले पर निशान थे और शरीर नीला पड़ा था। मृतका के भाई ने सेना में तैनात पति समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

आसिफपुर खड़खड़ी निवासी इरफान ने अपनी बेटी रुबीना की शादी तीन साल पहले मुजफ्फरनगर के पुरबालियान गांव निवासी अलीशान के साथ की थी। अलीशान सेना में जवान है और कश्मीर में तैनात है। वर्षीय रुबीना की मां तसमीना ने बताया कि शादी के ढाई महीने बाद ही ससुराल वालों ने मारपीट कर रुबीना को घर से निकाल दिया था। समझौते के बाद अलीशान उसे दोबारा अपने साथ ले गया, लेकिन छह महीने बाद फिर मारपीट कर घर से निकाल दिया। इसके बाद उसकी बेटी करीब दो साल से मायके में रह रही थी। इसी दौरान उसने एक बेटे को जन्म दिया, जो करीब दो वर्ष का है। रुबीना और उसके पति के बीच दहेज विवाद को लेकर अदालत में मामला विचाराधीन है।

26 अक्टूबर को सुनवाई होनी है, जिसमें रुबीना को खर्च देने के मामले पर विचार होना है। पारिवारिक विवाद के बावजूद दोनों के बीच मोबाइल फोन और वाट्सएप पर बातचीत होती रहती थी। तसमीना ने बताया कि अलीशान छुट्टी लेकर घर आया हुआ था। रुबीना को फोन और वाट्सएप संदेश के जरिए गांव बिजरौल बुलाया था। इसके बाद रुबीना घर नहीं लौटी। बेटी के वापस नहीं आने पर तसमीना ने अलीशान को फोन किया। उसने बात टाल दी कि रुबीना वहां से चली गई थी और उसे नहीं पता कि वह कहां गई। स्वजन ने उसी दिन रुबीना के लापता होने की जानकारी पुलिस चौकी पर दी गई थी। शुक्रवार को रुबीना की तलाश की, लेकिन पता नहीं चला।

शनिवार सुबह वाजिदपुर में सतपाल के गन्ने के खेत में रुबीना का शव देखा। सूचना पर पुलिस व स्वजन पहुंचे। शव के गले पर निशान और कई जगह से शरीर नीला पड़ने के कारण जहर देकर व गला दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। इंस्पेक्टर क्राइम वीरेंद्र सिंह ने बताया कि रुबीना के भाई आजाद ने पति अलीशान, सास बलीस, देवर सुहेल, ननद फहीना व अमर तथा अलीशान के मामा जुबेद्दीन के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस ने हर्ष छिकारा को हिरासत में ले 3 घंटे थाने में बिठा वापस सोनीपत भेजा

नितिन कुमार सिंह, बागपत/बड़ौत। समाजसेवी दीपक तोमर बामनोली ने बताया कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हर्ष छिकारा और हिंदू रक्षा दल के प्रमुख पिंकी चौधरी के बीच चल रहे विवाद के बाद हर्ष छिकारा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर 25 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3 बजे पिंकी चौधरी के पैतृक गांव बामनौली आने की खुली चुनौती दी थी। जिस पर गांव के लोगो ने हर्ष छिकारा को सबक सीखने का मन बना गांव के बाहर सड़क पर बामनौली गेट पर आ गए। कुछ लोगो का कहना था कि हर्ष छिकारा को जिसने गांव में बुलाया उसको भी सबक सिखाना जरुरी है।

हर्ष छिकारा की चुनौती के बाद बामनौली गांव के थांबा चौधरी देवेंद्र सिंह ने मंदिर और मस्जिद के लाउडस्पीकरों से ऐलान करवाकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया और हर्ष छिकारा को गांव में न घुसने देने की चेतावनी दी थी।

जब हर्ष छिकारा बामनौली गांव की तरफ बढ़ रहे थे, तो किसी भी बड़ी झड़प या अप्रिय घटना को रोकने के लिए बागपत पुलिस ने मुस्तैदी दिखाई और हर्ष छिकारा को बामनौली गांव पहुंचने से पहले ही रमाला थाने के पास हाईवे पर रोक लिया।

पुलिस ने हर्ष छिकारा को हिरासत में लेकर करीब 3 घंटे थाने में बिठाए रखा। इसके बाद किसान नेता राजेंद्र चौधरी और अन्य जिम्मेदार लोगों की मध्यस्थता और पुलिस की समझाइश के बाद हर्ष छिकारा को वापस सोनीपत भेज दिया गया।

यह पूरा मामला हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता आयुष वाल्मीकि की हत्या के मामले को लेकर शुरू हुआ था, जिस पर हर्ष छिकारा और पिंकी चौधरी के बीच सोशल मीडिया पर गाली-गलौज और तीखी जुबानी जंग छिड़ गई थी, जो बढ़ते-बढ़ते इस जमीनी विवाद तक पहुंच गई।

भाजपा ने गरीबो को हमेशा धोखा दिया, गरीबो के आरक्षण में दबंगो को शामिल कर गरीबो का पिछले 26 वर्षो से मार दिया, आओ बागपत लोकसभा को भाजपा मुक्त करे

बागपत लोकसभा की जनता जनार्दन आशीर्वाद दे तो एक बार फिर 2029 में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा



निवेदक-

सुभाष चंद कश्यप

पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा 2014 निर्दलीय, 7906984078

पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी वार्ड नंबर 11 जनपद बागपत-2015

राष्ट्रीय महासचिव श्रीराम बाजपेई स्काउट गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया

पता- कस्बा खेकड़ा जनपद बागपत उत्तर प्रदेश -250101

सम्पादकीय.....

अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना और चीन आर्मी के जवानों के बीच आमने-सामने आने की खबर

अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के जवानों के बीच कई स्थानों पर आमने-सामने आने की खबरों के बीच सिक्किम से सटी भारत-चीन सीमा पर स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। नाथुला और डोकलाम जैसे सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति भी सामान्य है। हालांकि यहां निगरानी बढ़ा दी गई है। स्थानीय का कहना है कि सीमा पर भारतीय और चीनी पक्ष की दैनिक गतिविधियों में किसी बड़े बदलाव की जानकारी सामने नहीं आई है।

इसके बावजूद भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियां सीमा पार की गतिविधियों पर करीबी नजर रख रही हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के डीआइजी संजीव सिंह ने इस संबंध में प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। नाथुला भारत और चीन के बीच सीमा व्यापार का महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके अलावा इसी मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा भी संचालित होती है। दूसरी ओर, डोकलाम भारत, चीन और भूटान के त्रिसंगम के निकट स्थित एक संवेदनशील क्षेत्र है।

वर्ष 2017 में यहां भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच लंबे समय तक गतिरोध चला था। इसके बाद से यह क्षेत्र दोनों देशों की सुरक्षा और कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना हुआ है। वर्ष 2026 में भारत और चीन के बीच संपर्क तथा सीमा से जुड़ी गतिविधियों को लेकर कुछ सकारात्मक पहल देखने को मिली हैं। नाथुला मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। वहीं, छह वर्ष के अंतराल के बाद अगस्त में नाथुला के रास्ते सीमा व्यापार फिर शुरू होने की खबर भी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण रही।

बृजभूषण शरण सिंह ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को बिन मांगे अपनी राय दी

प्रमोद कश्यप/एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीख अभी घोषित नहीं, लेकिन विभिन्न पार्टियों के गठबंधन की अटकलों के साथ ही कयासों का दौर चरम पर है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन तय माना जा रहा है, लेकिन सीटों के बंटवारे को लेकर रस्साकसी जारी है।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच पोस्टर-हार्डिंग वॉर के बीच बृजभूषण शरण सिंह ने सीटों के बंटवारे को लेकर बिन मांगे अपनी राय दे दी कि अगर फैसला उनके हाथ में होता तो कांग्रेस को 25 सीट से ज्यादा नहीं देते।

डिलीवरी एजेंट की आंखों में तब आंसू आ गए

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। बढ़ते खर्च के कारण बाइक न खरीद पाने वाले ब्लिंकिट के एक डिलीवरी एजेंट की आंखों में तब आंसू आ गए, जब मुंबई के समाजसेवी और इन्फ्लुएंसर हुसैन मंसूरी ने उसे एक नया स्कूटर गिफ्ट कर हैरान कर दिया। यह तोहफा अनंत अंबानी के फाउंडेशन की एक पहल का हिस्सा था। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस दिल छू लेने वाले वीडियो में मंसूरी सुजीत नाम के एक डिलीवरी एजेंट को रोकते हुए दिखते हैं, जो साइकिल से आर्डर देने जा रहा था।

उसका नाम पूछने के बाद मंसूरी ने उससे जानना चाहा कि उसने बाइक क्यों नहीं खरीदी। सुजीत ने अपनी मुश्किल बताते हुए कहा कि सर, इतने कम पैसों में बाइक कैसे ले पाऊंगा। महंगाई बहुत ज्यादा है। इसके बाद मंसूरी ने सुजीत से कहा कि वह अपना काम पूरा कर उनसे आकर मिले। जब डिलीवरी एजेंट वापस लौटा, तो मंसूरी ने उसकी आंखों पर पट्टी बांध दी और उसे एक ऐसे तोहफे के पास ले गए जो लाल कपड़े से ढका हुआ था।

मंसूरी ने उपहार से कपड़ा हटाते हुए कहा कि यह अनंत अंबानी की तरफ से एक छोटा सा तोहफा है। कवर के नीचे एक बिल्कुल नई स्कूटर थी। जब सुजीत को एहसास हुआ कि उन्हें क्या मिला है, तो वे भावुक हो गए। उन्होंने मंसूरी को गले लगा लिया और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। रिपोर्ट के अनुसार, यह उपहार अनंत सेवा फाउंडेशन की एक पहल का हिस्सा था। राहुल कनाल और हुसैन मंसूरी के सहयोग से फाउंडेशन ने मुंबई के उन मेहनती लोगों को इलेक्ट्रिक स्कूटर बांटीं, जो रोजाना शहर को सुचारू रूप से चलाने में मदद करते हैं।

मंसूरी अपने परोपकारी कार्यों के वीडियो साझा करने के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले वह असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में गए थे, जहां उन्होंने और उनकी टीम ने बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बीच बिस्तर बांटे थे।

राहुल गांधी के नेतृत्व में 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में आने वाले 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक रैली होने वाली है। इसको लेकर देश की सियासत में गर्माहट तेज है। दूसरी तरफ अब इस रैली को लेकर डिस्ट्रीब्यूटर संगठन का बड़ा बयान भी सामने आया है। संगठन ने राहुल गांधी के इस रैली के कॉल का विरोध जताते हुए नजरअंदाज करने की अपील की है।

मामले में फेडरेशन ऑफ एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स ऑफ इंडिया ने दिल्ली में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और अनिश्चितकालीन हड़ताल की कॉल का कड़ा विरोध किया है।

डिस्ट्रीब्यूटर्स संघ ने सभी एलपीजी डीलरों से अपील की है कि वे अपनी आपूर्ति और डिलीवरी का काम सामान्य रूप से जारी रखें, ताकि त्योहारी सीजन में आम जनता को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बातचीत के जरिए समाधान का भरोसा स्नस्थ्ठ ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि वे तेल विपणन कंपनियों और पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। संघ का कहना है कि वितरकों की जायज मांगों को लेकर मंत्रालय और सकारात्मक रुख दिखा रहे हैं और उन्हें जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन मिला है। अपने बयान में संघ ने जोर देकर कहा कि बिना बातचीत के सभी विकल्पों को आजमाए सीधे हड़ताल या विरोध प्रदर्शन का रास्ता चुनना व्यावहारिक नहीं है। उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और निर्बाध एलपीजी सिलेंडर पहुंचाना उनकी सबसे पहली प्राथमिकता है।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।
www.kesharidarpan.com
पर रजिस्टर/लॉगिन करे।
KD www.kesharidarpan.com
सम्पादक सुभाष चंद
9837749557

पूर्व मुख्य न्यायाधीश की न्यायिक नियुक्तियों से जुड़ी कार्यशैली पर सवाल

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस संजय किशन कौल ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की न्यायिक नियुक्तियों से जुड़ी कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। पूर्व जज जस्टिस संजय किशन कौल ने आरोप लगाया है कि डी. वाई. चंद्रचूड़ सरकार के प्रति बहुत ज्यादा झुकने वाले थे। कॉलेजियम की औपचारिक चर्चा से पहले ही उम्मीदवारों के बारे में कार्यपालिका से बातचीत करने की प्रथा पर भी चिंता जताई है।

जस्टिस कौल ने अपनी आने वाली किताब विदाउट फियर ऑर फेवर में, सुप्रीम कोर्ट में छह खाली पदों को भरने के लिए हुई एक कॉलेजियम बैठक का जिक्र किया है। जस्टिस कौल ने बताया इस बैठक में पांच नामों पर पहले ही सहमति बन चुकी थी। उनका आरोप है कि जस्टिस चंद्रचूड़ ने आखिरी मौके पर एक छठे उम्मीदवार का नाम सुझाया और इस नियुक्ति पर सरकार की राय लेने के बारे में सोचा।

जस्टिस कौल ने अपनी किताब में लिखा है कि मुख्य न्यायाधीश मुझे एक अलग कमरे में ले गए और सोचने लगे कि क्या उन्हें सरकार की राय जानने के लिए फोन करना चाहिए। जस्टिस कौल ने एक निजी चैनल से अपनी किताब के बारे में बात करते हुए कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कॉलेजियम को कार्यपालिका के दबाव का विरोध करना चाहिए।

जस्टिस कौल से जब पूछा गया कि क्या जस्टिस चंद्रचूड़ सरकार को खुश करने की कोशिश कर रहे थे या उनसे पहले से मंजूरी लेना चाहते थे, तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह सरकार को खुश करने का मामला था। इन नामों पर मुझसे पहले ही चर्चा कर ली थी।

जस्टिस कौल ने आगे बताया, %हम पांच नामों पर सहमत हो गए थे, और मुझे लगा कि कॉलेजियम के बाकी सदस्य भी इन नामों से सहमत होंगे। लेकिन कॉलेजियम की बैठक में जाते समय, आखिरी मौके पर यह नाम सामने रखा गया। मैंने कहा कि यह नाम मुझे मंजूर नहीं है और आगे भी कभी मंजूर नहीं होगा।

दिसंबर 2023 में रिटायर हुए जस्टिस कौल ने लिखा है कि कार्यपालिका से निपटने के तरीके को लेकर हुए मतभेदों ने जस्टिस चंद्रचूड़ के साथ उनके संबंधों में तनाव पैदा कर दिया। जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम में कौल जून 2022 से उनके साथ काम कर रहे थे।

कौल ने अपने संस्मरण में लिखा कि परामर्श करने और जिसे मैं पूर्व-अनुमोदन मानता हूं यानी कॉलेजियम में औपचारिक चर्चा होने से पहले ही सरकार की सहमति मांग लेना।

इन दोनों बातों में फर्क है। कौल ने आगे कहा कि उनका मानना था कि चीजें हमेशा से ऐसे ही होती आई हैं। लेकिन मेरा यह मानना था कि आप जैसे मुख्य न्यायाधीश, जिनका कार्यकाल दो साल का है और जो अपनी योग्यता और भरोसे के कारण इस स्थिति में हैं। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपके बाद आने वाले मुख्य न्यायाधीशों के लिए इस परंपरा को न अपनाना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि उनका कार्यकाल और भी छोटा होगा।

कांग्रेस ने रविवार को नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई। पार्टी ने एक आगामी संस्मरण में किए गए खुलासों का हवाला देते हुए कहा कि संविधान की रक्षा करने वाली इस संस्था को सत्ता में बैठे लोगों के दबाव से मुक्त रहना चाहिए।

कांग्रेस के संचार विभाग के महासचिव जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें जस्टिस कौल के संस्मरण विदाउट फियर ऑर फेवर की पांडुलिपि का जिक्र है। इसमें कहा गया है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ न्यायिक नियुक्तियों के मामले में सरकार के प्रति कुछ ज्यादा ही नरम थे।

आप के किताब खरीद घोटाले के आरोपों को खारिज कर कम कीमत पर किताबें खरीदी

सपना कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को दी जाने वाली पाठ्यपुस्तकों की कीमत, आकार और छपाई की गुणवत्ता को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के किताब खरीद में घोटाले के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने कम कीमत पर किताबें खरीदी हैं।

पत्रकारों के सामने किताबों की प्रतियां, निविदा और कार्यादेश से जुड़े दस्तावेज पेश किए। कक्षा आठ की हिंदी की जिस मल्हार पुस्तक की कीमत को लेकर आप सवाल उठा रही है, मंत्री सूद ने इसकी खरीद से संबंधित निविदा के दस्तावेज सार्वजनिक कर बताया कि उनकी सरकार ने यह किताब 28.61 रुपये प्रति की दर से खरीदी है। सीबीएसई के नियमों के कारण अब किताबों के आकार में कुछ अंतर आया है।

मंत्री ने वर्ष 2022 की मल्हार पुस्तक के समान आकार की गृह विज्ञान की पुस्तक से संबंधित दस्तावेज दिखा दावा किया कि आप सरकार ने छपाई पर प्रति किताब 55 रुपये खर्च किए थे।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय जिन पुस्तकों की अधिकतम कीमत 110 से 133 रुपये तक थी, उनकी वर्तमान खरीद में कीमत 50 से 76 रुपये के बीच है। मंत्री ने कहा कि कक्षा आठ की पुस्तक की पिछली सरकार की अधिकतम कीमत 110 रुपये के मुकाबले अब 50.38 रुपये, कक्षा सात की 103 रुपये के मुकाबले 75.88 रुपये और कक्षा छह की 133 रुपये के मुकाबले 57.76 रुपये है। सूद ने 17 अगस्त और छह सितंबर 2023 को तत्कालीन शिक्षा सचिव के पत्रों का हवाला देकर पिछली सरकार के समय किताबों की छपाई और गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने गलत जानकारी फैलाने वाले आप नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की बात कही।

आप सरकार के कार्यकाल से जुड़े कथित 5,400 करोड़ रुपये के क्लासरूम, 500 करोड़ के सीसीटीवी, 500 करोड़ के ईडब्ल्यूएस और 1,000 करोड़ रुपये के कोविड घोटाले के आरोपों को जल्द जनता के सामने लाने की बात कही है। मंत्री सूद की प्रेसवार्ता के बाद आम आदमी पार्टी ने फिर आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार की ओर से वितरित किताबें राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की मूल पुस्तकों से आकार में छोटी हैं।

नोटः पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार है, सम्पादक का इनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है। आप स्वयं जांच करें। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बडौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादकः सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादकः राजवीर सिंह , (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)